

Copyright (C) 1991, 1999 Free Software Foundation, Inc..

This software is made to generate indic language .pdf files.

Date : 10-05-2010

Release No : 1.0

Author : Satish Kumar

Description : This software is made to generate indic language .pdf files.

It uses the Open Office SDK to create .odf first and followed by the .pdf document.

| Language | Text |
|----------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| Hindi | <p>नागपुर।। संसदीय चुनाव न लड़ने की घोषणा करने वाले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी के लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत तो मिल रहे थे, लेकिन अब गडकरी द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश ने इन खबरों की पुष्टि कर दी है। वैसे चुनाव लड़ने के लिहाज से गडकरी की प्राथमिकता नागपुर चुनाव क्षेत्र है, पर वह किसी भी जगह से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो सकते हैं। लगता है कि इसी क्रम में गडकरी ने अपने स्वयंसेवी समूह पूर्ति के माध्यम से राष्ट्रवादी कांग्रेस के सीनियर नेता प्रफुल्ल पटेल के चुनाव क्षेत्र भंडारा-गोंडिया में बंद चीनी कारखाना खरीदा है। हालांकि इसे चलाने पर गडकरी को सालाना पांच करोड़ रुपये का घाटा होगा, इसके बावजूद गडकरी इस चीनी कारखाने को चलाना चाहते हैं। उनके स्वयंसेवी समूह की एक इकाई बिजली का उत्पादन कर रही है और गडकरी के अनुसार इस इकाई ने 18 करोड़ रुपये की बिजली मुंबई को बेची है। गडकरी ने चीनी कारखाने के सान्नेदार भंडारा-गोंडिया जिलों के किसानों को संबोधित करते हुए कहा था कि जो पाप करता है वही चीनी कारखाना चलाता है। लेकिन इस कारखाने से इस क्षेत्र के पांच हजार युवकों को रोजगार मिलेगा और किसानों का आर्थिक सामाजिक विकास होगा। उनकी आत्महत्याएं रुकेंगी। किसानों की दुर्दशा के लिए उन्होंने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। गडकरी के हिसाब से खराब बिजली सप्लाई ही गरीबी की जड़ है। उन्होंने द्विअर्थी वाक्यों के साथ कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के बावजूद गृहनगर नागपुर पहुंचने पर गडकरी को लेने पार्टी से कोई नहीं आया था। गडकरी ने दो टूक कहा हुआ है कि बड़े नेताओं की परिक्रमा बंद होनी चाहिए और क्षेत्र में लगातार काम जारी रहना चाहिए।</p> |